चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	09.10.2020	06	06-08

Farmers can book seeds online

Kumar Mukesh | TNN

Hisar: The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar will soon launch an app through which the farmers will be able to book online the seeds they need, said vice-chancellor Prof Samar Singh on Thursday.

Interacting with the media, the VC said the app would be launched during a two-day virtual agriculture fair scheduled for October 13-14. A link, https://haukrishimela.com, has already been released by the university, he informed.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	09.10.2020	04	06-08

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रो. समर सिंह

वर्चुअल कृषि मेले में लॉन्च होगा किसान एप, मेला 13 व 14 अक्तूबर को

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वीरवार को पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बीज बुक करा सकेंगे।

प्रो. समर सिंह।

उन्होंने कहा कि अब किसान एचएयू कृषि मेला डॉट काम वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था, इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया, ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। उन्होंने बताया कि किसान एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े।

फेसबुक और यूट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान

वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व य-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले की मुख्य थीम फसल अवशेष प्रबंधन होगा। मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के सभी इंचार्ज को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। 13 अक्तूबर को शाम 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है, जिसमें किसान सवाल-जवाब कर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

ये थे कार्यक्रम में मौजूद : विश्वविद्यालय की अटल रैंकिंग के लिए रिपोर्ट संकलन व प्रस्तुति के लिए एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी व उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने सम्मानित किया। पत्रकार वार्ता के दौरान डॉ. आरएस हुड्डा, डॉ. एसके सहरावत, डॉ. आरके झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरुण कुमार भाटिया, नवीन जैन, डॉ. सीमा रानी, डॉ. आरएस ढिल्लो, डॉ. सुनील कुमार ढांडा आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	09.10.2020	04	03-06

किसान घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि अब किसान एचएयू कृषि मेला डॉट काम वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। इसके साथ ही किसान एप को कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी के साथ ऑनलाइन बुक भी किया जा सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। इससे सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी।

एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह वर्चुअल कृषि मेले को लेकर पत्रकारों से वार्ता करते हुए। • जागरण

वर्चुअल कृषि मेला 13 व 14 को, लांच होगी किसान एप ऑनलाइन जुड़ने के लिए एचएयू ने जारी किया लिंक

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ शारीरिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा वाट्सएप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि फिजिकली कृषि मेले की तरह किसान वर्चुअल कृषि मेले में भी अधिकाधिक भाग लेकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

प्रश्नोत्तरी सत्र में किसान पूछ सकेंगे सवाल

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डा. सुनील ढांडा ने बताया कि 13 अक्टूबर को शाम 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। किसान अपनी समस्या पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर कर सकते हैं।

फेसबुक व यू-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसानः वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। ऑनलाइन ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	09.10.2020	03	01-05

कृषि मेला ऑनलाइन जुड़ने के लिए एचएयू ने जारी किया लिंक

किसान अब घर बैठे एप से बुक कर सकेंगे बीज

नरेंद्र ख्यालिया/निस

हिसार, 8 अक्तूबर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 और 14 अक्तूबर होने वाले वर्चुअल कृषि मेले में शामिल होने के लिए एचयू ने लिंक जारी कर दिया है। अब किसान एप के माध्यम से घर बैठे ही रबी फसलों के बीजों की बुकिंग भी कर सकेंगे। पत्रकारों से बातचीत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। उन्होंने बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशकडॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन फसल विविधीकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे।

वेबसाइट पर उपलब्ध होगी जानकारियां

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन वीडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	09.10.2020	03	03-08

अब किसान एप पर बुक कर सकेंगे बीज

कृषि मेले से ऑनलाइन जुड़ने के लिए हकृवि ने जारी किया लिंक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

कोरोना महामारी के चलते हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इस बार कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित न करके वर्चुअल कृषि मेले का आयोजन करेगा। इस फायदा यह होगा कि किसान अब घर बैठे किसान एप के माध्यम से बीज बुक कर सकेंगे। किसान एप से बुक होने पर बीज को नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की व्यवस्था की जाएगी। इस तरह किसानों को बीज के लिए मेले में आने की जरूरत नहीं होगी। इससे किसानों के समय और पैसे दोनों की बचत होगी। विश्वविद्यालय ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए हकृवि की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं।

खास बातें

- किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं
- किसान एप से बुक होने पर बीज को नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की व्यवस्था की जाएगी

वर्चुअल कृषि मेले में लॉन्च होगा एप, मेला 13 व 14 अक्टूबर को

गूगल प्ले स्टोर से कर सकते हैं डाउनलोड

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह व साथ में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा व अन्य।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदशेक डॉ. आरएस हुड्डा, डॉ. एसके सहरावत, डॉ. आरके झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरुण कुमार भाटिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही है वीडियो

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन वीडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सहनिदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम फसल अवशेष प्रबंधन होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। वेबिनार से जुड़ने के लिए मेले के दिन वेबसाइट पर लिंक डाला जाएगा। मेले के दिन 13 अक्तुबर को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	09.10.2020	04	01-06

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रो. समर सिंह

- वर्चुअल कृषि मेले में लांच होगी किसान एप, मेला 13 व 14 अक्तूबर को
- ऑनलाइन जुड़ने के लिए एच.ए.यू. ने जारी किया लिंक

हिसार, 8 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित किए जाने वाले 2 दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एच.ए.यू. की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने एक प्रैस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एच.ए.यू. कृषि मेला डॉट काम' वैबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

बीज नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की होगी व्यवस्था

कुलप्रति प्रो. समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर से डाऊनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनैट की सुविधा होना अनिवार्य है।

इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी।

एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी व उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अधिकारी। (नारंग)

कई विषयों पर होंगे वैबिनार

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वैबिनार आयोजित किए जाएंगे। इन वैबिनार से जुड़ने के लिए मेले के दिन वैबसाइट पर लिंक डाला जाएगा।

फेसबुक व यू-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान

वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल से जुडक़र भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।

इस दौरान विस्तार शिक्षा निदशेक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरूण कुमार भाटिया, वित-नियंत्रक नवीन जैन, एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लो, डॉ. सुनील कुमार ढांडा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09.10.2020	02	07-08

वर्चुअल कृषि मेले में शामिल होने के लिए एचएयू की साइट लॉन्च, घर बैठे बुक करा सकेंगे बीजः प्रो. समर

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 13 और 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ने के लिए लिंक जारी किया है।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने गुरुवार को एचएयू के फैकल्टी हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' (एचएयू कृषि मेला डॉट कॉम) वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। कोरोना के चलते कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.10.2020	--	--

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रो. समर सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेले का आयोजन 13 व 14 अक्टूबर को

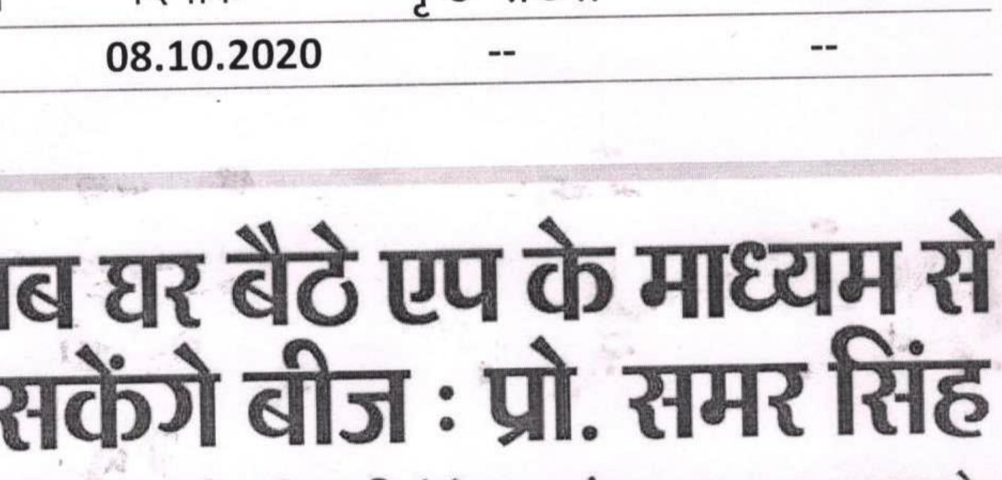

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

कुलपति ने बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। पत्रकार वार्ता के दौरान डॉ. आर.एस. हुड्डा, डॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरूण कुमार भाटिया, नवीन जैन, डॉ. सीमा रानी, डॉ. आर.एस. ढिल्लो, डॉ. सुनील कुमार ढांडा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	08.10.2020	--	--

अब घर बैठे एप के माध्यम से बीज बुक करेंगे किसान

13 व 14 अक्टूबर को वर्चुअल कृषि मेले में लांच होगी किसान एप

कृषि मेले से ऑनलाइन जुडने के लिए एचएयू ने जारी किया लिंक

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुडने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। किसान एप से बुक होने पर बीज को नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की होगी व्यवस्था

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जो को इसका जिम्मा सौंपा गया है। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले के दिन 13 अक्तुबर को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

फेसबुक व यू-ट्यूब से जुड़ेंगे किसान

वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यु-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।

फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। इन वेबिनार से जुड़ने के लिए मेले के दिन वेबसाइट पर लिंक डाला जाएगा।

ये थे कार्यक्रम में मौजूद : विश्वविद्यालय की अटल रैंकिंग के लिए रिपोर्ट संकलन व प्रस्तुति के लिए एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी व उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने सम्मानित किया। इस मौके पर विस्तार शिक्षा निदशेक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अडॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरूण कुमार भाटिया, नवीन जैन, एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लो, डॉ. सुनील कुमार ढांडा आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	08.10.2020	--	--

कृषि मेले से ऑनलाइन जुड़ने के लिए एचएयू ने जारी किया लिंक

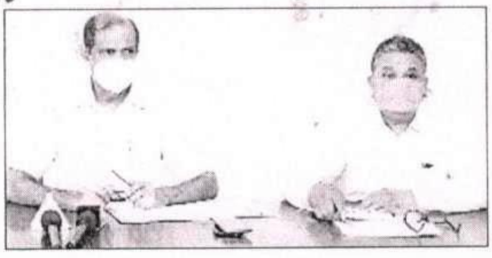

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 8 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' (haukrishimela.com)वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	08.10.2020	--	--

वर्चुअल कृषि मेले में लांच होगी किसान एप, मेला 13 व 14 अक्तूबर को, कृषि मेले से ऑनलाइन जुड़ने के लिए एचएयू ने जारी किया लिं

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रो. समर सिं

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

किसान एप से बुक होने पर बीज को नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की होगी व्यवस्था

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। इससे सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान को इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम, कई विषयों पर होंगे वेबिनार

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। इन वेबिनार से जुड़ने के लिए मेले के दिन वेबसाइट पर लिंक डाला जाएगा।

फेसबुक व यु-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान

वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यु-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि फिजिकली कृषि मेले की तरह किसान वर्चुअल कृषि मेले में भी अधिकाधिक भाग लेकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाअं शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिव पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानं सहायता के लिए मेले के दौरान हर ऑनलाइन रहेंगे।

प्रश्नोत्तरी सत्र में किसान पूछ सकेंगे स

विस्तार शिक्षा निदेशालय के निदेशक (किसान परामर्श केंद्र)डॉ. स ढांडा ने बताया कि मेले के दिन 13 अ को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस किसान अपनी किसी भी प्रकार की स को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिव साथ सवाल-जवाब कर जानकारी ह कर सकते हैं।

ये थे कार्यक्रम में मौजूद

विश्वविद्यालय की अटल रैंकिंग के रिपोर्ट संकलन व प्रस्तुति के लिए । सेंटर की नोडल अधिकारी व उनकी टी प्रशस्ति पत्र देकर विश्वविद्यालय के कु प्रोफेसर समर सिंह ने सम्मानित । पत्रकार वार्ता के दौरान विस्तार निदशेक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनु निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. अ झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर डॉ. अरूण कुमार भाटिया, वित-नि नवीन जैन, एबिक की नोडल अधिका सीमा रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. आ ढिल्लो, डॉ. सुनील कुमार ढांडा सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	08.10.2020	--	--

वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए लिंक जारी: कुलपति

हिसार/08 अक्टूबर/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए हकृवि की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि अब किसान लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाईन घर बैठे मिल सके। कुलपति सिंह ने बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाऊनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाईन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। इससे सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वैबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले की मुख्य थीम फसल अवशेष प्रबंधन होगी। उन्होंने बताया कि मेले के दिन 13 अक्टूबर को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस मौके पर विश्वविद्यालय की अटल रैंकिंग के लिए रिपोर्ट संकलन व प्रस्तुति के लिए एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी व उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने सम्मानित किया। इस दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, डॉ. आरके झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरूण कुमार भाटिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. आरएस ढिल्लो आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	09.10.2020	--	--

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

वर्चुअल कृषि मेले में लॉंच होगी किसान एप, मेला 13 व 14 अक्तुबर को

किसान एप से बुक होने पर बीज को नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की होगी व्यवस्था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	08.10.2020	--	--

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रोफेसर समर सिंह

वर्चुअल कृषि मेले में लांच होगी किसान एप, मेला 13 व 14 अक्तुबर को

- कृषि मेले से ऑनलाइन जुड़ने के लिए एचएयू ने जारी किया लिंक

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी।

उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' (haukrishimela.com)वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। इससे सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी।

पत्रकारों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व साथ में मौजूद विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा व अन्य।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

फेसबुक व यु-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान : वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यु-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।

फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी-मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे।

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाटसप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि फिजिकली कृषि मेले की तरह किसान वर्चुअल कृषि मेले में भी अधिकाधिक भाग लेकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

प्रश्नोत्तरी सत्र में किसान पूछ सकेंगे सवाल

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले के दिन 13 अक्तुबर को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

ये थे कार्यक्रम में मौजूद

विश्वविद्यालय की अटल रैंकिंग के लिए रिपोर्ट संकलन व प्रस्तुति के लिए एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी व उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र देकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने सम्मानित किया। पत्रकार वार्ता के दौरान विस्तार शिक्षा निदशेक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. अरूण कुमार भाटिया, वित-नियंत्रक नवीन जैन, एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लो, डॉ. सुनील कुमार ढांडा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	08.10.2020	--	--

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज

पल पल न्यूजः हिसार, 8 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला

फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। इससे सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
शिप्रा दर्पण	08.10.2020	--	--

08-10-2020
शिप्रा दर्पण
सच सोच समाधान

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीज : प्रोफेसर समर सिंह

मनोज भुटानी (शिप्रा दर्पण हिसार)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुडने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले से जुड सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पडे और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। किसान एप से बुक होने पर बीज को नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर भेजने की होगी व्यवस्था कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रॉयड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरं ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा। किसान की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज को भेजने की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान को पैसे व समय की बचत हो सके और किसान को बीज के लिए भटकना न पड़े। इससे सामाजिक दूरी भी बनी रहेगी। वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।फसल अवशेष प्रबंधन होगा मेले का थीम, कई विषयों पर होंगे वेबिनार विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह–निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' होगा। इसी प्रकार प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मेरा पानी–मेरी विरासत, पराली प्रबंधन, फसल विविधिकरण सहित कई अन्य विषयों पर भी वेबिनार आयोजित किए जाएंगे। इन वेबिनार से जुडने के लिए मेले के दिन वेबसाइट पर लिंक डाला जाएगा। फेसबुक व यु–ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसानवर्चुअल कृषि

मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यु ट्यूब चौनल से जुडकर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई–कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारिया मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि फिजिकली कृषि मेले की तरह किसान वर्चुअल कृषि मेले में भी अधिकाधिक भाग लेकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जग मार्ग न्यूज	**09.10.2020**	--	--

किसान अब घर बैठे एप के माध्यम से बुक कर सकेंगे बीजः प्रो. समर सिंह

वर्चुअल कृषि मेले में लांच होगी किसान एप, मेला 13 व 14 अक्टूबर को

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ने के लिए एचएयू की ओर से लिंक जारी कर दिया गया है।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने एक प्रेस वार्ता बताया कि अब किसान 'एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से वर्चुअल कृषि मेले में जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार

8 एचएसआर 7—पत्रकारों से बातचीत करते हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह।

वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके। कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि किसान एप को कोई भी व्यक्ति गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। इसके लिए एंड्रायड फोन व इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। इस एप के माध्यम से किसान को विश्वविद्यालय में उपलब्ध फसलों व सब्जियों के बीजों की विस्तृत जानकारी मिल सकेगी और किसान उसके बाद तुरंत ऑनलाइन बुक भी कर सकेगा।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही वीडियो

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां अंतिम चरण में है और इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही है ताकि किसानों को ऑनलाइन हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन वीडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पब्लिक ऐप्प	08.10.2020	--	--

Hisar, Hissar | Oct 8, 2020

हिसार: हिसार **HAU** ने 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले से ऑनलाइन जुड़ने के लिए जारी किया लिंक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	09.10.2020	02	01-08

my city amarujala.com हिसार शुक्रवार, 09 अक्तूबर 2020 02 अमर उजाला

पर्यावरण और जीवन एक दूसरे के पूरक हैं। एक में छेड़छाड़ करने का असर दूसरे पर भी पड़ता है। अब तक की आई महामारियों ने इस बात को और भी स्पष्ट कर दिया है।

पराली के सदुपयोग से आमदनी भी बढ़ा सकेंगे किसान

पराली जलाने से घट रही खेत की उपज क्षमता ■ मशीनों से पराली को जमीन में मिलाएं किसान

अमर उजाला ब्यूरो

रोहतक/हिसार। खेतों में धान की पराली जलाने से न केवल प्रदूषण होता है, बल्कि यह खेत की मिट्टी के लिए भी घातक सिद्ध होते हैं। ... खेत की उपज क्षमता बेहद कम हो जाती है। किसान को अपनी उपज में इसका खामियाजा अपेक्षाकृत कम उत्पादन के रूप में भुगतना पड़ता है। ऐसे में किसानों को पराली जलाने की बजाय विभिन्न उपकरणों द्वारा इसे मिट्टी में ही मिलाकर खेत की उपजाऊ शक्ति बढ़ानी चाहिए। सरकार उपकरणों पर ... किसान को 50 प्रतिशत और किसान समूह को 80 प्रतिशत तक अनुदान दे रही है। ...

पराली प्रदूषण से नुकसान व बचाव को लेकर अमर उजाला ने आयोजित किया वेबिनार

50-80

प्रतिशत तक पराली निस्तारण की मशीनों पर मिल रही सब्सिडी

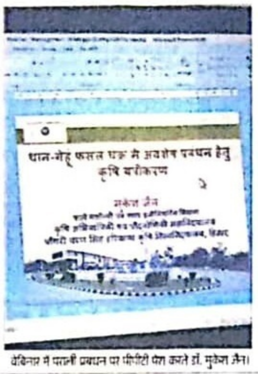

वेबिनार में पराली प्रबंधन पर पीपीटी पेश करते डॉ. मुकेश जैन।

रोगियों के लिए परेशानी भरा साबित होता है स्मॉग

डॉ. कर्ण भूटानी, एमबीबीएस, एमडी।

प्रदूषण पर अंकुश लगाएगा पराली का वैकल्पिक प्रयोग

वरिष्ठ प्रो. राजेश धनखड़, पर्यावरण विज्ञान विभाग, एमडीयू।

किसान खेत खाली होने से पहले कैसे बोएं फसल

डॉ. लीना शर्मा।

पराली प्रबंधन को स्वीकृत किए 758 यंत्र

डॉ. रोहताश सिंह, उप निदेशक कृषि।

किसानों के पास पराली प्रबंधन का समय नहीं

प्रीत सिंह, जिलाध्यक्ष, किसान सभा।

किसानों के पास पराली प्रबंधन के लिए पर्याप्त समय नहीं होता है। धान की फसल काटने के बाद गेहूं की फसल लगाने के बीच बहुत कम समय होता है। ... रोहतक जिले का किसान खेत में आग लगाकर राजी नहीं है, उसे मजबूरी में ऐसा करना पड़ता है। ...

पराली खेत में मिला दें, ताकि जमीन की उर्वरा क्षमता बढ़े

डॉ. मुकेश जैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज, एचएयू।

मुख्य तौर पर हरियाणा और पंजाब में पराली को आग लगाई जाती है। इसका कारण यह है कि हमारे यहां गेहूं के भूसे और हरे चारे की कोई कमी नहीं है। ऐसे में किसान जला देता है, जबकि होना यह चाहिए कि वे उसे खेत में मिला दें, ताकि जमीन की उर्वरा क्षमता बढ़े। ...

किसानों को अधिक से अधिक जागरूक करने की जरूरत

डॉ. विशाखा ..., फार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग विभाग, एचएयू।

पराली के मूल्य संवर्धन की आवश्यकता

गौरव चौधरी, रिन्यूएबल एंड बायो एनर्जी इंजीनियरिंग विभाग, एचएयू।

पराली जलाने से पांच गुणा तक बढ़ जाता है प्रदूषण

राकेश कुमार भौंसले, क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, हिसार।